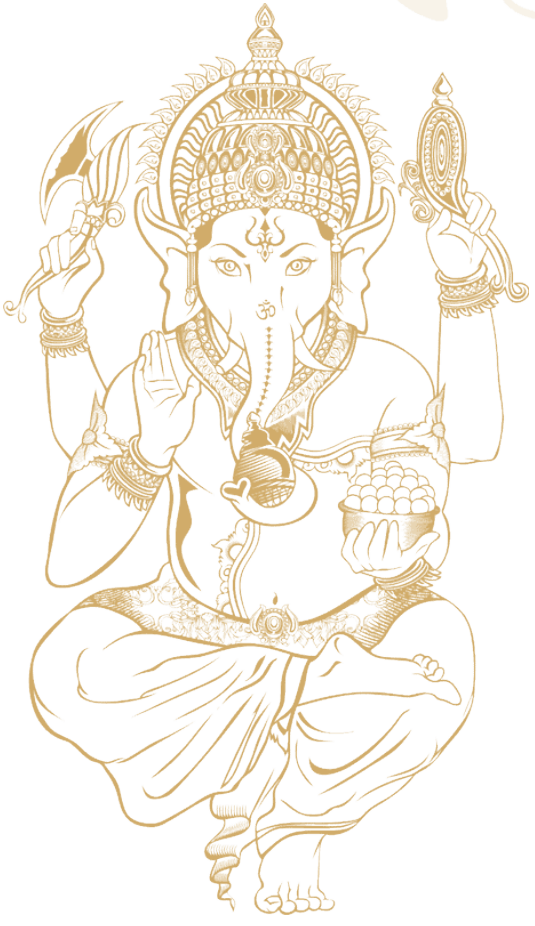

Manesh Saini delhi

02 Nov 1999

06:02 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/11/1999**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:02:00 घंटे**
इष्ट	29:27:03 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:45:44 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	20:31:06 घंटे
सूर्योदय	06:15:10 घंटे
सूर्यास्त	17:44:31 घंटे
दिनमान	11:29:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:47:04 तुला
लग्न के अंश	21:42:08 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:42:08	401:16:54	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			तुला	15:47:04	01:00:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	10:45:07	13:04:49	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			धनु	18:12:15	00:44:35	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	07:25:29	00:20:04	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु	व		मेष	04:46:23	00:07:50	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	29:18:58	01:01:06	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	20:10:37	00:04:50	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	14:39:57	00:02:20	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	14:39:57	00:02:20	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:03:25	00:00:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:50:34	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:20:43	00:02:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मक	11:33:33	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:02

लग्न-चलित

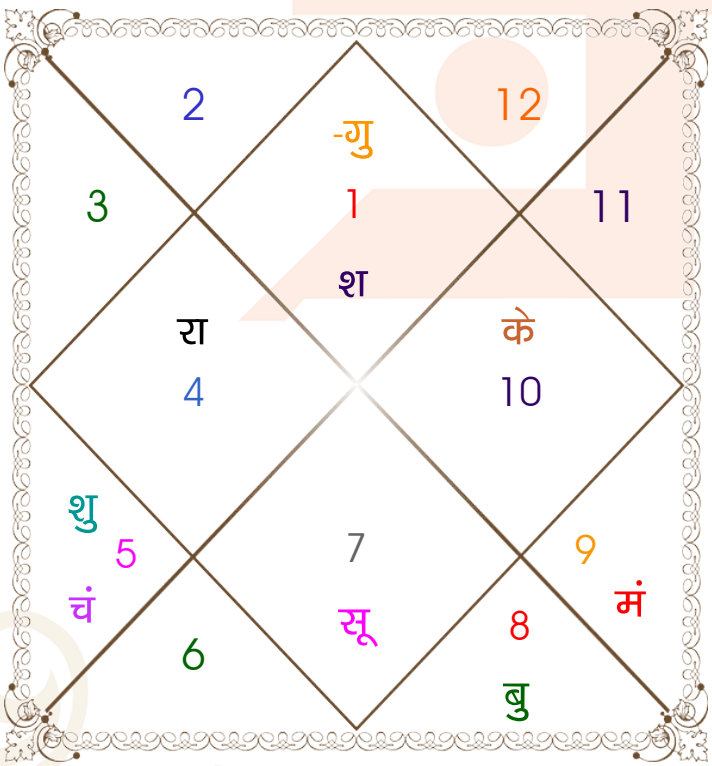

चन्द्र कुंडली

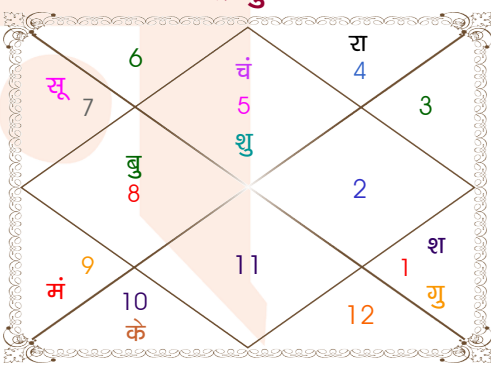

नवमांश कुंडली

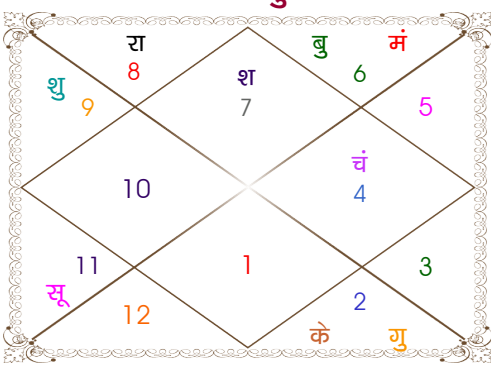

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/11/1999		11/03/2001		11/03/2021		12/03/2027		11/03/2037	
11/03/2001		11/03/2021		12/03/2027		11/03/2037		11/03/2044	
	00/00/0000	शुक्र	11/07/2004	सूर्य	29/06/2021	चंद्र	10/01/2028	मंगल	07/08/2037
	00/00/0000	सूर्य	11/07/2005	चंद्र	28/12/2021	मंगल	10/08/2028	राहु	26/08/2038
	00/00/0000	चंद्र	12/03/2007	मंगल	05/05/2022	राहु	09/02/2030	गुरु	02/08/2039
	00/00/0000	मंगल	11/05/2008	राहु	30/03/2023	गुरु	11/06/2031	शनि	10/09/2040
	00/00/0000	राहु	12/05/2011	गुरु	16/01/2024	शनि	09/01/2033	बुध	07/09/2041
	00/00/0000	गुरु	10/01/2014	शनि	28/12/2024	बुध	11/06/2034	केतु	03/02/2042
	02/11/1999	शनि	11/03/2017	बुध	04/11/2025	केतु	10/01/2035	शुक्र	05/04/2043
शनि	14/03/2000	बुध	10/01/2020	केतु	11/03/2026	शुक्र	10/09/2036	सूर्य	11/08/2043
बुध	11/03/2001	केतु	11/03/2021	शुक्र	12/03/2027	सूर्य	11/03/2037	चंद्र	11/03/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/03/2044		11/03/2062		11/03/2078		11/03/2097		12/03/2114	
11/03/2062		11/03/2078		11/03/2097		12/03/2114		00/00/0000	
राहु	22/11/2046	गुरु	29/04/2064	शनि	14/03/2081	बुध	08/08/2099	केतु	09/08/2114
गुरु	17/04/2049	शनि	10/11/2066	बुध	22/11/2083	केतु	05/08/2100	शुक्र	09/10/2115
शनि	22/02/2052	बुध	15/02/2069	केतु	31/12/2084	शुक्र	06/06/2103	सूर्य	14/02/2116
बुध	10/09/2054	केतु	22/01/2070	शुक्र	02/03/2088	सूर्य	11/04/2104	चंद्र	14/09/2116
केतु	29/09/2055	शुक्र	22/09/2072	सूर्य	12/02/2089	चंद्र	11/09/2105	मंगल	10/02/2117
शुक्र	28/09/2058	सूर्य	11/07/2073	चंद्र	13/09/2090	मंगल	08/09/2106	राहु	28/02/2118
सूर्य	23/08/2059	चंद्र	10/11/2074	मंगल	23/10/2091	राहु	27/03/2109	गुरु	04/02/2119
चंद्र	21/02/2061	मंगल	17/10/2075	राहु	29/08/2094	गुरु	03/07/2111	शनि	03/11/2119
मंगल	11/03/2062	राहु	11/03/2078	गुरु	11/03/2097	शनि	12/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।